Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : **www.shisrrj.com**
OPEN ACCESS
© 2024 SHISRRJ | Volume 7 | Issue 5
ISSN : 2581-6306
doi : https://doi.org/10.32628/SHISRRJ

जनपद कौशाम्बी मे जनसख्या साक्षरता का तुलनात्मक अध्ययन

नीलेश कुमार
शोधार्थी, भूगोल विभाग, भारतीय महाविद्यालय फर्रूखाबाद,उ0प्र0।
डॉ0 प्रेम शंकर पाण्डेय
शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग, भारतीय महाविद्यालय फर्रूखाबाद,उ0प्र0।

Article Info

Accepted : 03 Sep 2024
Published : 20 Sep 2024

Publication Issue :
September-October -2024
Volume 7, Issue 5

Page Number : 13-23

सारांश – जनसंख्या साक्षरता किसी भी क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास का एक प्रमुख सूंचकाक एवं सभी मानवीय विकासात्मक प्रक्रियाओं का आधार हैं। साक्षरता का निम्न स्तर लोगो को अवसरों से वंचित करता हैं। साक्षरता एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय कौशल एवं शिक्षा का प्रमुख गुण है। साक्षरता से सभी विकासात्मक पहलुओं जैसे जनसंख्या नियत्रण स्वास्थ्य स्वचछता पर्यावरण अवनयन या समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान मे योगदान मिलता है। कौशाम्बी जनपद उत्तर प्रदेश राज्य का एक छोटा सा प्रशासनिक खण्ड है। इसका कुल क्षेत्रफल 1903.17 वर्ग किलोमीटर है। सन् 2011 एवं 2021 के संशोधित जनगणना अनुमान के अनुसार इसकी जनपद की कुल जनसंख्या 15,99,596 है। एवं 2021 के अनुसार जनपद के कुल संख्या का 61.33 प्रतिशत साक्षर है। शोध को सुगम बनाने के लिए वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में मुख्य रुप से द्वितीयक आकड़ो का प्रयोग किया गया हैं। प्रस्तुत शोध में सन् 2001, 2011 एवं 2021 की जनगणना का तुलनात्मक अध्ययन किया गया हैं। सन् 2001 से 2011 एवं 2021 के मध्य औसत पुरूष साक्षरता में लगातार वृद्धि अंकित की गई। अंततः हम यह कह सकते है कि सन् 2001 की तुलना में 2011 में औसत साक्षरता, औसत पुरूष साक्षरता, औसत महिला साक्षरता तथा ग्रामीण एवं नगरीय महिला व पुरूष साक्षरता में सतत् वृद्धि हुई है। परन्तु बुनियादी शिक्षा के विस्तार और शिक्षा असमानताओं की निरन्तर कमी ने बड़े सुधारों के बावजूद भी भविष्य के लिए अभी भी चुनौतियॉ विद्यमान है।
संकेत शब्द – जनसंख्या साक्षरता, जनसांख्यिकीय, पर्यावरण अवनयन, तुलनात्मक विधि, सामाजिक आर्थिक विकास ,जनसंख्या नियत्रण, कार्यात्मक साक्षरता, जनसांख्यिकीय कौशल।

प्रस्तावना – जनसंख्या साक्षरता किसी भी क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास का एक प्रमुख सूंचकाक है। साक्षरता सभी मानवीय विकासात्मक प्रक्रियाओं का आधार हैं। साक्षरता व्यक्तिगत स्वतन्त्रता और सुरक्षा की

Copyright © 2024 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

भावना उत्पन्न करता हैं। यह व्यक्तियों परिवारो और सामुदायिक स्वास्थ्य सामाजिक आर्थिक अवसरों और सेवाओ तक पहुच सुनिश्चित करता हैं (यूनेस्को 2005)। साक्षरता से लोगो में जागरुकता आती है और लोगो की सामाजिक आर्थिक स्थितियो मे सुधार होता है। जनसख्या साक्षरता समाजिक उत्थान के लिये एक अभिकर्ता के रुप में कार्य करता है। साक्षरता से सभी विकासात्मक पहलुओं जैसे जनसंख्या नियत्रण स्वास्थ्य स्वचछता पर्यावरण अवनयन या समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान मे योगदान मिलता है।
साक्षरता का निम्न स्तर लोगो को अवसरों से वंचित करता हैं। वर्तमान समय में देश की कुल जनसंख्या का 26 प्रतिशत और ग्रामीण जनसंख्या का 31.01 प्रतिशत भाग अभी भी अशिक्षित हैं (जनगणना 2011)।

साक्षरता की व्यापक परिभाषा यूनेस्को द्वारा 1978 मे कार्यात्मक साक्षरता के रुप मे परिभाषित किया है ंजो इस प्रकार है, एक व्यक्ति कार्यात्मक रुप से साक्षर हैं जो उन सभी कार्यो मे संलग्न हो सकते हैं या ऐसी गतिविधियॅा जिनमे प्रभावी ढ़ग से समूह या समुदाय मे कार्य करने या पढ़ने लिखने या गणना करने में सक्षम है।

यदि कोई भी क्षेत्र सामाजिक. आथिक रुप से अविकिसित या पिछ़ड़ा है तो इसके लिये वहॅा की साक्षरता दर का उस क्षेत्र से सीधा सम्बन्ध है। जनपद कौशाम्बी की साक्षरता स्थिति का अध्ययन करने से पहले यह जानना आवश्यक है कि साक्षरता किसे कहते है। एन• एस• एस• ओ [NSSO] के अनुसार एक ऐसे व्यक्ति को साक्षर माना जाता है् यदि वह कम से कम एक भाषा मे एक सरल संन्देश को समझ के साथ पढ़ और लिख सकता है। इसलिए साक्षरता दर को जनसंख्या मे साक्षर व्यक्तियों के अनुपात के रुप मे परिभाषित किया जाता हैं। साक्षरता एक महत्तपूर्ण जनसांख्यिकीय कौशल एवं शिक्षा का प्रमुख गुण है (एम रोजर 2023)।

अध्ययन के उददेश्य – प्रस्तावित अध्ययन के निम्नलिखित उददेश्य है ।
1 जनपद कौशाम्बी में विकासखण्ड़ स्तर पर जनसंख्या साक्षरता का अध्ययन करना ।
2 जनपद कौशाम्बी में विकासखण्ड़ स्तर पर जनसंख्या साक्षरता का तुलनातमक अध्ययन करना।
अध्ययन क्षेत्र – कौशाम्बी जनपद उत्तर प्रदेश राज्य का एक छोटा सा प्रशासनिक खण्ड है। जो कि गंगा यमुना के दोआब क्षेत्र में प्रयागराज जनपद के पश्चिम में स्थित है। कौशाम्बी जनपद को प्रशासनिक दृष्टि से तीन उप विभागों (तहसील) एवं आठ विकास खण्डों में बॅाटा गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 1903.17 वर्ग किलोमीटर है। इसका विस्तार 25^0 15′ 00′′ उत्तर से 25^0 48′ 40′′ उत्तरीय अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार 81^0 08′ 30′′ से पूर्वी देशान्तर से 81^0 47′ 45′′ पूर्वी देशान्तर तक है। सन् 2011 एवं 2021 के संशोधित जनगण्ना अनुमान के अनुसार इसकी जनपद की कुल जनसंख्या 15,99,596 है। कौशाम्बी जनपद साक्षरता के स्तर मे उत्तर प्रदेश का पिछडा क्षेत्र है। सन 2011 मे जनपद की कुल साक्षरता 61.10 प्रतिशत एवं सन 2021 मे 61.33 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर है।

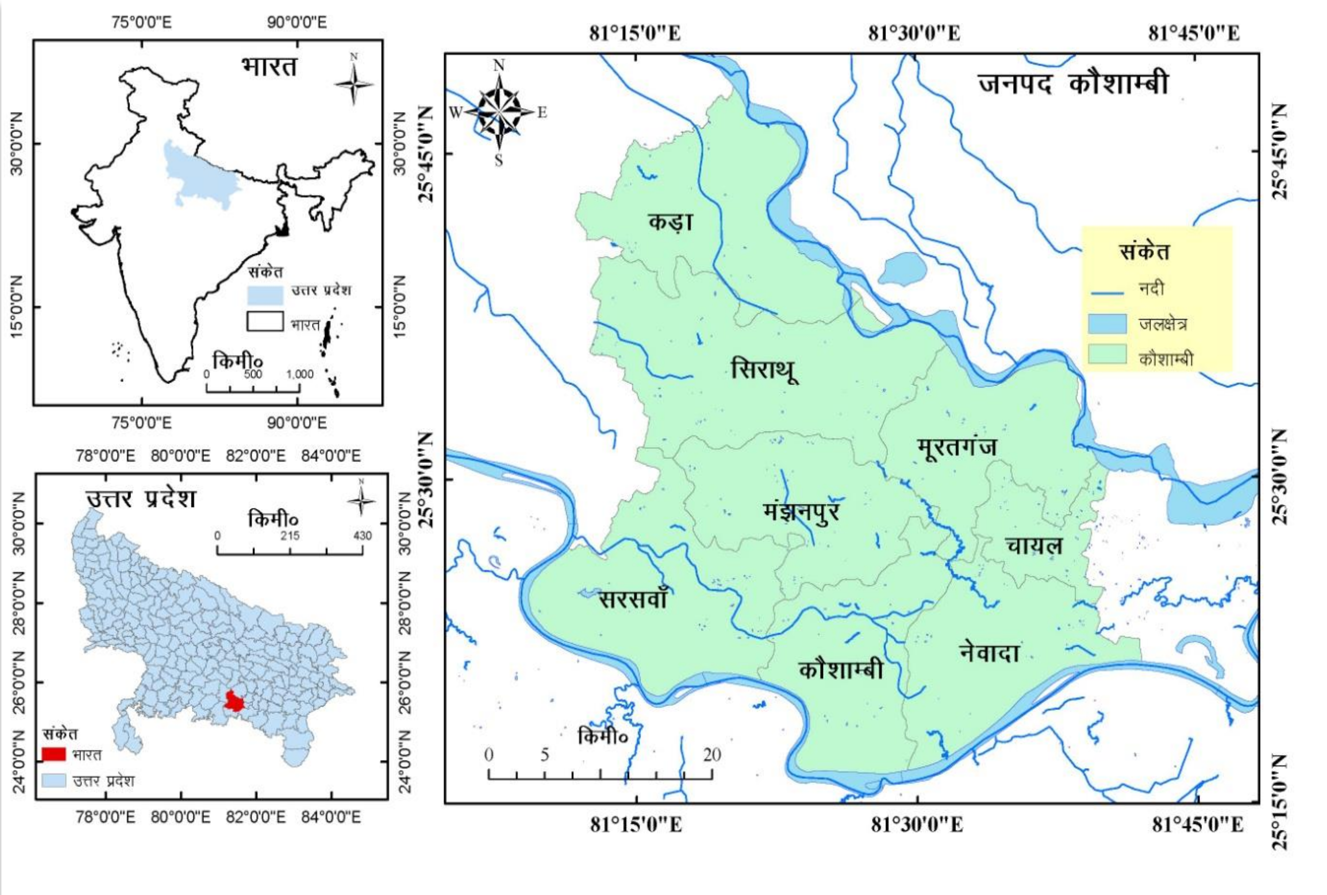

कौशाम्बी जनपद अवस्थितिक मानचित्र,

आकड़ा स्रोत एवं विधितन्त्र. प्रस्तुत शोध पत्र मे अध्ययन को सुगम बनाने के लिए वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में मुख्य रुप से द्वितीयक आकड़ो का प्रयोग किया गया हैं। अध्ययन में प्रयुक्त द्वितीयक आकड़ो का संग्रहण जिला सांख्यकीय पत्रिका 2001, 2011 तथा 2021 की जनगणना पर आधारित हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न पत्र पत्रिकाओ समाचार पत्र एवम शोध पत्रो तथा जनसांख्यकीय ग्रन्थो के विश्लेषण को माध्यम बनाया गया हैं। जो विभिन्न सरकारी प्रकाशनो अभिलेखो एवम शोध पत्रो से प्राप्त हुये हैं।

वर्णन एवं विश्लेषण: जनसांख्यकीय स्वरूप के अध्ध्यन से किसी प्रदेश की जनसंख्या आकार जनघनत्व साक्षरता दर एवम ग्रामीण नगरीय जनसंख्या के अनुपात का बोध होता हैं। इससे किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या की समाजिक. आथिक स्थिति का ज्ञान होता हैं। प्रस्तुत अध्ययन मे कौशाम्बी जनपद की जनसंख्या साक्षरता का तुलनातमक अध्ययन के लिये 2001, 2011 तथा 2021 के आकड़ो का प्रयोग किया गया हैं।

विकासखण्ड़ वार साक्षरता 2001, **सारणी नं– 1**

कम•सं	**विकासखण्ड**	**पुरूष साक्षरता**	**महिला साक्षरता**	**कुल साक्षरता**
1	कड़ा	59.75	29.63	45.55
2	सरसवां	59.69	26.74	44.09
3	सिराथू	63.30	31.64	48.66
4	मंझनपुर	58.85	24.26	42.22
5	कौशाम्बी	63.68	28.73	47.26
6	मूरतगंज	56.80	25.27	42.06
7	चायल	66.23	32.06	50.53
8	नेवादा	65.26	29.83	48.75
	ग्रामीण साक्षरता	61.21	28.24	45.76
	नगरीय साक्षरता	71.42	49.33	61.03
	कुल साक्षरता	**61.96**	**29.79**	**46.88**

स्रोतः *जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2001,*

सन् 2001 में कौशाम्बी जनपद की औसत साक्षरता 46.88 प्रतिशत थी, परन्तु इस साक्षरता में विकासखण्ड स्तर पर काफी आसमानता थी। सन् 2001 में सर्वाधिक साक्षरता 50.83 प्रतिशत चायल विकासखण्ड में और न्यूनतम् साक्षरता 42.06 मूरतगंज विकासखण्ड में अंकित की गई है।

चार विकासखण्डों में औसत से अधिक साक्षरता पायी गई है। इनमें (चायल 50.83, नेवादा 48.75, सरसवां 48.66, कौशाम्बी 47.06) रहे है। जबकि 4 विकासखण्डों में औसत से कम साक्षरता (मूरतगंज 42.06, मंझनपुर 42.22, सिराथू 44.09 तथा कड़ा विकसखण्ड में 45.35 प्रतिशत)) साक्षरता का मापन किया गया।

सन् 2001 में कौशाम्बी जनपद की औसत पुरूष साक्षरता 61.96 थी। इसमें विकासखण्ड स्तर पर काफी असमनता देखने को मिली है। सर्वाधिक पुरूष साक्षरता चायल में 66.23 तथा न्यूनतम् पुरूष साक्षरता मंझनपुर में 58.35 रही। चार विकासखण्डों में औसत से अधिक साक्षरता अंकित हुई (चायल 66.23, नेवादा 65.86 कौशाम्बी में 63.68 तथा सरसवां 63.80) है। जबकि चार विकासखण्डों में औसत से कम साक्षरता अंकित की गई। (मूरतगंज 56.80, मंझनपुर 58.35, सिराथू 59.69 तथा कड़ा विकासखण्ड 69.75) औसत से कम साक्षरता वाले विकासखण्ड है।

सन् 2001 कौशाम्बी जनपद मे महिला साक्षरता का औसत 29.79 प्रतिशत था जिसमें अधिकतम साक्षरता चायल विकासखण्ड में 32.06 तथा न्यून्तम साक्षरता मंझनपुर विकास खण्ड में 24.26 अंकित की गई है।

सन् 2001 में जनपद में तीन विकासखण्डों में औसत महिला साक्षरता से अधिक साक्षरता अंकित हुई (चायल 32.06, सरसवां 31.64 तथा नेवादा 29.83) जबकि 5 विकासखण्डों में औसत से कम महिला साक्षरता का अंकन हुआ है। इनमें (मंझनपुर 24.26, मूरतगंज 25.27, सिराथू 26.74 कौशाम्बी 28.73 तथा कड़ा विकासखण्ड 29.63) रहे है। सन् 2001 में औसत ग्रामीण साक्षरता 45.76 थी इसमें पुरूष साक्षरता 61.21 तथा महिला साक्षरता 28.24 दोनों में औसत से कम साक्षरता थी। इसमें समय, जनपद की नगरीय साक्षरता 61.63 प्रतिशत रही। जिसमें पुरूष साक्षरता 71.42 तथा महिला साक्षरता 49.33 थी जो कि जनपद की औसत साक्षरता से अधिक थी।

विकासखण्ड़ वार साक्षरता 2011, **सारणी नं– 2**

कम•सं	**विकासखण्ड**	**पुरूष साक्षरता**	**महिला साक्षरता**	**कुल साक्षरता**
1	कड़ा	69.23	47.47	58.81
2	सरसवॅा	76.17	51.15	64.20
3	सिराथू	74.25	48.88	62..28
4	मंझनपुर	72.04	46.67	59.91
5	कौशाम्बी	72.78	46.22	60.10
6	मूरतगंज	76.72	50.59	64.50
7	चायल	79.43	49.19	65.25
8	नेवादा	77.06	49.04	63.92

	ग्रामीण साक्षरता	66.16	47.55	57.30
	नगरीय साक्षरता	74.36	48.68	62.17
	कुल साक्षरता	**72.56**	**48.43**	**61.10**

स्रोतः *जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2011,*

सन् 2011 कौशाम्बी जनपद की औसत साक्षरता 61.10 थी। किन्तु विकासखण्ड स्तर पर इसमें असमानता विद्यामान थी, चायल विकासखण्ड में अधिकतम साक्षरता 65.28 थी वहीं न्यूनतम कड़ा विकासखण्ड में 58.81 दृष्टिगत होती है।

जनपद में पांच विकास खण्डों में औसत साक्षरता 61.10 प्रतिशत से अधिक साक्षरता पायी गई ये विकासखण्ड (चायल 65.28, मूरतगंज 64.50, सिराथू 64.20, नेवादा 63.92 तथा सरसवॉ 62.28) अंकित की गई जबकि तीन विकासखण्डों में औसत से कम साक्षरता (कड़ा में 58.81, मंझनपुर 59.91 तथा कौशाम्बी में 60.10) अंकित की गई यदि साक्षरता को पुरूष और महिला साक्षरता के संदर्भ में देखें तो सन् 2011 में औरत पुरूष साक्षरता 72.56 थी इस समय चायल में 79.43 साक्षरता अंकित की गई जो कि सार्वाधिक थी, जबकि कड़ा विकासखण्ड में 69.23 न्यनतम् पुरूष साक्षरता अंकित हुई। सन् 2011 में जनपद के छः विकासखण्डों में औसत से अधिक साक्षरता अंकित हुई (चायल में 79.43, नेवादा में 77.06, मूरतगंज में 76.72, सिराथू में 76.19,सरसवॉ में 72.25 तथा कौशाम्बी में 72.78) अंकित हुई। केवल दो विकास खण्डों में औसत से कम साक्षरता (कड़ा में 69.23 तथा मंझनपुर में 72.02) अंकित की गई जो औसत साक्षरता से कम है।

सन् 2011 में जनपद कौशाम्बी औसत महिला साक्षरता 48.43 प्रतिशत थी। सन् 2011 में सार्वाधिक महिला साक्षरता सिराथू विकासखण्ड में 51.15 अंकित की गई, जबकि न्यूनतम् महिला साक्षरता कौशाम्बी विकासखण्ड में 46.22 अंति हुई जनपद में पांच विकासखण्डों में औसत से अधिक साक्षरता अंकित हुई ये विकास खण्ड (सिराथू 51.25, मूरतगंज 50.59, चायल 49.19, नेवादा 49.02 तथा सरसवॉ में 48.88) अंकित हुई। जबकि तीन विकासखण्डों में औसत से कम महिला साक्षरता (कौशाम्बी में 46.22, मंझनपुर में 46.67 तथा कड़ा में 47.47) अंकित की गई।

सन् 2011 में ग्रामीण महिला और पुरूष दोनों की साक्षरता औसत से कम अंकित हुई। ग्रामीण पुरूष साक्षरता 66.16 तथा महिला साक्षरता 47.55 रही जबकि इसी समय नगरीय पुरूष साक्षरता एवं नगरीय महिला साक्षरता औसत साक्षरता से अधिक रही। औसत नगरीय पुरूष साक्षरता 74.36 प्रतिशत तथा औसत नगरीय महिला साक्षरता 48.68 अंकित की गई।

विकासखण्ड वार साक्षरता 2021, **सारणी नं –3**

	विकासखण्ड	पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता	कुल साक्षरता
1	कड़ा	71.48	49.56	61.00
2	सरसवां	73.17	48.74	61.47
3	सिराथू	71.19	46.87	59.70
4	मंझनपुर	68.97	44.55	57.28
5	कौशाम्बी	72.78	46.22	60.10
6	मूरतगंज	70.47	46.14	59.01
7	चायल	73.74	45.77	60.63
8	नेवादा	77.06	49.04	63.92
	ग्रामीण साक्षरता	72.35	47.38	60.50
	नगरीय साक्षरता	76.54	59.19	68.31
	कुल साक्षरता	**72.80**	**48.65**	**61.33**

स्रोतः *जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2021,*

जनपद कौशाम्बी मे क्षेत्रवार साक्षरता परिवर्तन प्रतिशत मे,

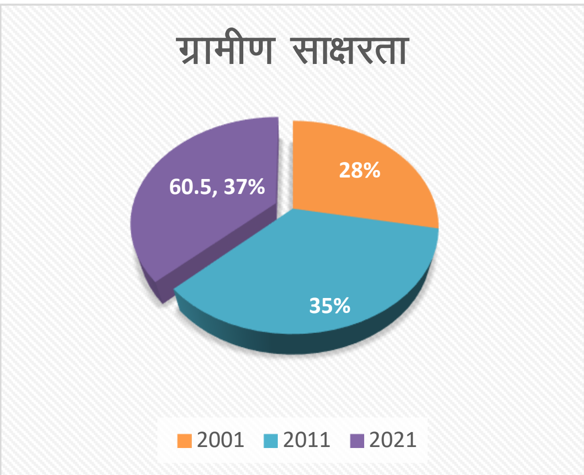

चित्र संख्या– 1

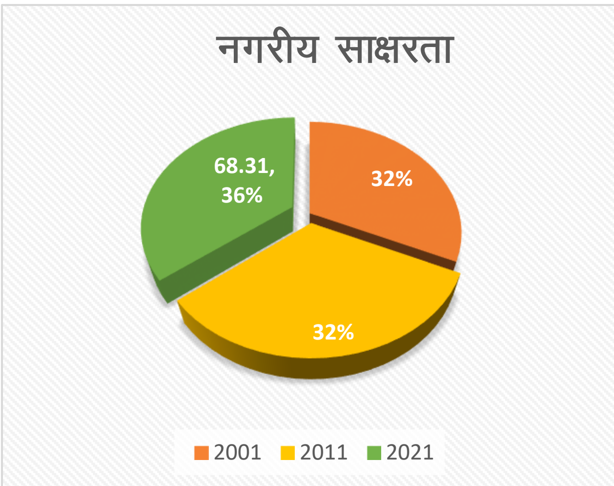

चित्र संख्या– 2

जनपद कौशाम्बी मे साक्षरता परिवर्तन प्रतिशत मे,

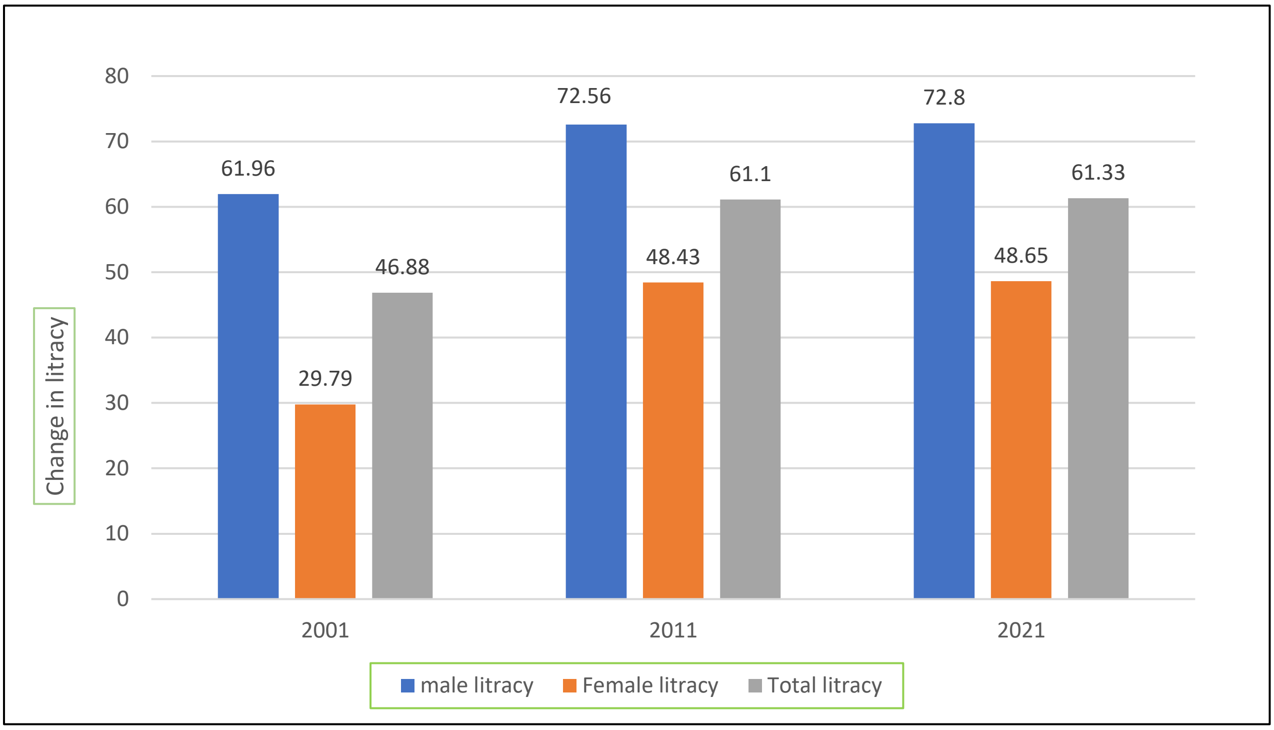

चित्र संख्या– 3

सन् 2021 में जनपद की औसत साक्षरता में 2011 की तुलना में 00.13 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई। सन् 2021 की जनगणना के समय जनपद के मंझनपुर विकासखण्ड औसत साक्षरता में सबसे पिछड़ा था। जबकि नेवादा विकासखण्ड सार्वाधिक साक्षरता 63.92 प्रतिशत अंकित की गई। सन् 2021 में जनपद के 2 विकासखण्डों में साक्षरता औसत से अधिक थी इनमें (नेवादा 63.12 तथा सिराथू 61.47) साक्षरता अंकित की गई जबकि छः विकासखण्डों की साक्षरता औसत से कम थी। इनमें (मंझनपुर 57.28, मूरतगंज 59.01 सरसवॉ 59.70, कौशाम्बी 60.10 तथा चायल 60.63, कड़ा 61.00) में अंकित की गई।

सन् 2021 में कौशाम्बी जनपद में औसत पुरूष साक्षरता 72.80 अंकित की गई। जनपद में तीन विकासखण्डों में (नेवादा 77.06,चायल 73.74 तथा सिराथू में 73.17) में पुरूष साक्षरता जनपद के औसत से अधिक थी। जबकि पांच विकासखण्डों में (मंझनपुर 68.97, मूरतगंज 70.47, सरसवॉ 71.19, कड़ा 71.48 तथा कौशाम्बी में 72.78) में औसत से कम पुरूष साक्षरता वाले विकासखण्ड है।

सन् 2021 में कौशाम्बी जनपद में औसत महिला साक्षरता 48.65 प्रतिशत अंकित की गई। सार्वाधिक महिला साक्षरता कड़ा विकासखण्ड में 49.56 तथा न्यूनतम महिला साक्षरता मंझनपुर 44.55 अंकित की गई तीन विकास खण्डों में औसत महिला साक्षरता (कड़ा 49.56, नेवादा में 49.04 तथा सिराथू 48.74) में औसत से अधिक अंकित की गई, जबकि पांच विकास खण्डों में (मंझनपुर में 44.55, चायल में 45.7, मूरतगंज में 46. 14, कौशाम्बी में 46.22 तथा सरसवॉ में 46.87) महिला साक्षरता औसत से कम अंकित की गई। जो कि क्षेत्रीय सामाजिक असमनता को प्रदर्शित करती है।

सन् 2021 में औसत ग्रामीण साक्षरता 60.50 जिसमें पुरूष साक्षरता 72.35 एवं महिला साक्षरता 47.38 अंकित की गई है। सन् 2011 महिला एवं पुरूष साक्षरता के मध्य का अंतराल बढ़ा है जबकि नगरीय औसत साक्षरता 61.31 प्रतिशत थी। जिसमें नगरीय पुरूष साक्षरता 76.54 तथा नगरीय महिला साक्षरता 59.19 के मध्य का अन्तराल ग्रामीण साक्षरता की तुलना में कम है।

प्रस्तुत शोध पत्र में कौशाम्बी जनपद की साक्षरता तीन दशकों 2001, 2011 तथा 2021 की साक्षरता का तुल्नात्मक अध्ययन किया गया है। सन् 2001 में जनपद की औसत साक्षरता 46.88 था जो कि सन् 2011 में बढ़कर 61.10 तथा 2021 में 61.33 हो गई। सन् 2001 से 2011 के मध्य साक्षरता में 14.22 अंकों की वृद्धि हुई, जबकि 2011, से 2021 के मध्य साक्षरता का अन्तर मात्र 0.23 का ही रहा है। 2011 से 2021 के मध्य साक्षरता स्तर में बहुत कम वृद्धि हुई है।

जबकि विकासखण्ड स्तर पर 2001 से 2011 के मध्य साक्षरता स्तर वृद्धि देखी गई परन्तु 2011 एवं 2021 के मध्य विकासखण्ड स्तर पर एक साक्षरता में तीन विकासखण्डों में गिरावट आई। 2011 में सिरथू में साक्षरता 64.20, मूरतगंज में 64.50 तथा चायल में 65.25 अंकित हुई की तुलना में 2021 में साक्षरता में कमी आई जो कि घटकर सिराथू में 61.47, मूरतगंज 59.01 तथा चायल में 60.63 रह गई जबकि 2001 में सिराथू में 44.09 से बढ़कर 64.20, मूरतगंज में 42.06 से बढ़कर 64.50 तथा चायल में 50.53 से बढ़कर 65.25 हो गई जो यह संकेत करता है कि 2011 की तुलना में 2021 में साक्षरता में इन विकासखण्डों में कमी आई। जबकि अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा 2011 से 2021 के मध्य न्यनतम् कमी दर्ज की गई। सन् 2001 से 2011 एवं 2021 के मध्य औसत पुरूष साक्षरता में लगातार वृद्धि अंकित की गई। सन् 2001 कुल पुरूष साक्षरता 61.96 तथा सन् 2011 में पुरूष साक्षरता 72.56 तथा 2021 में बढ़कर 72.80 अंकित की गई 2001 से 2011 के मध्य साक्षरता में 11.10 अंकों की वृद्धि हुई, जबकि 2011 से 2021 में मध्य मात्र वृद्धि 0.24 ही रही। सन् 2001 से 2011 में मध्य सर्वाधिक पुरूष साक्षरता में वृद्धि 16.50, सिराथू विकासखण्ड में अंकित की गई, जबकि 2011 से 2021 में सार्वधिक साक्षरता में वृद्धि 2.25 कड़ा विकासखण्ड में अंकित की गई। सन् 2011 से 2021 की तुलना में 2001 से 2011 के मध्य साक्षरता में वृद्धि अधिक अंकित की गई।

सन् 2001 की तुलना में 2011 में महिला साक्षरता में 18.64 की वृद्धि हुई जबकि 2011 की तुलना में 2021 में मात्र 00.13 की वृद्धि दर्ज की गई। सन् 2001 की तुलना में 2011 में सार्वधिक महिला साक्षरता 26. 74 सिराथु विकासखण्ड में दर्ज की गई जबकि सबसे कम वृद्धि 17.13 की चायल में अंकित हुई। 2011 से 2021 में मध्य औसत महिला साक्षरता 00.1 रही जो कि सभी विकास खण्डों की साक्षरता वृद्धि औसत के आस–पास थी।

2001 की तुलना में 2011 में ग्रामीण पुरूष साक्षरता में 4.95 की वृद्धि अंकित हुई जबकि 2011 की तुलना में 2021 में यह वृद्धि 10.38 अंकित हुई जो कि साक्षरता की प्रति जागरूकता को इंगित करता है। जबकि 2001 से 2011 की तुलना में ग्रामीण महिला साक्षरता में 19.31 की वृद्धि हुई। 2011 की तुलना में 2021 में 0.17 की कमी दर्ज की गई। जो कि महिला साक्षरता के प्रति लोगो की उपेक्षा को दर्शाता है। सन् 2001 से 2011 की तुलना में कुल पुरूष साक्षरता में 11.54 अंकों की वृद्धि हुई। जबकि 2011 से 2021 के मध्य यह वृद्धि 3.20 अंकित की गई।

सन् 2001 की तुलना में 2011 में नगरीय साक्षरता में 16.41 की वृद्धि हुई जबकि 2011 की तुलना में 2021 में नगरीय साक्षरता में 6.14 अंकों की ही वृद्धि हुई। यह भी सामाजिक जागरूकता को प्रर्दशित करता है। सन् 2001 से 2011 की तुलना में नगरीय पुरूष साक्षरता में 2.94 अंकों की वृद्धि देखी गई। जबकि सन्

2011 की तुलना मे 2021 में यह वृद्धि 2.18 रही। सन् 2001 से 2011 की तुलना में नगरीय महिला साक्षरता में 20.44 अंकों की वृद्धि हुई जो कि साक्षरता के सभी प्रारूपों में सबसे अधिक हैं जबकि सन् 2011 की तुलना में 2021 में नगरीय महिला साक्षरता में 10.51 अंकों की वृद्धि हुई।

अंततः हम यह कह सकते है कि सन् 2001 की तुलना में 2011 में औसत साक्षरता, औसत पुरूष साक्षरता, औसत महिला साक्षरता तथा ग्रामीण एवं नगरीय महिला व पुरूष साक्षरता में सतत् वृद्धि हुई है। जबकि सन् 2011 की तुलना में सन् 2021 में औसत साक्षरता, औसत पुरूष साक्षरता, औसत महिला साक्षरता तथा ग्रामीण एवं नगरीय महिला व पुरूष साक्षरता वृद्धि का प्रतिशत कम हुआ है। परन्तु नगरीय महिला एवं पुरूष साक्षरता में वृद्धि अंकित हुई है।

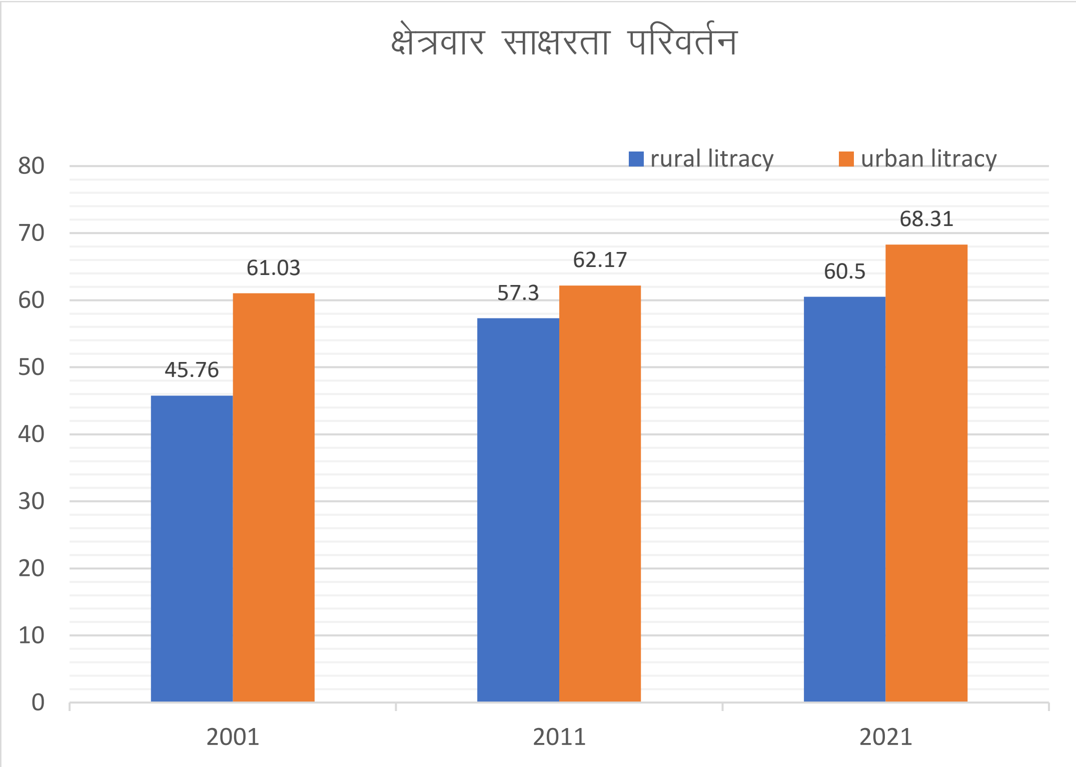

चित्र संख्या– 4

निष्कर्ष : साक्षरता एक महत्वपूर्ण सामाजिक कौशल है। जो लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करता है। कौशाम्बी जनपद में साक्षरता का तुलनात्मक अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि सन् 2001–2011 के मध्य कुल साक्षरता में वृद्धि हुई है। इसमें पुरूष साक्षरता तथा शहरी पुरूष एवं महिला साक्षरता दोनों में तीव्र वृद्धि देखने को मिली है। जबकि कुल महिला साक्षरता एवं ग्रामीण महिला साक्षरता में वृद्धि धीमी रही है। सन् 2011 से 2021 के मध्य कुल साक्षरता में जनपद में शैक्षिक असमानता स्पष्ट रूप से दिखई पड़ती है। यह शैक्षिक असमानता विकासखण्ड स्तर पर अधिक दिखाई पड़ती है। सन् 2001 से 2011 के मध्य जनपद में पुरूष साक्षरता में अल्प असमानता है यह अन्तर न्यून है परन्तु महिला एवं पुरूष साक्षरता के मध्य काफी अन्तर है। सन् 2001 से 2011 की तुलना में 2011 से 2021 के मध्य महिला साक्षरता में

काफी सुधार हुआ है। जबकि कुल साक्षरता में अभी भी असमनता है। पिछले दशक की तुलना में सन् 2011 से 2021 के मध्य महिला साक्षरता में अधिक वृद्धि हुई है। परन्तु बुनियादी शिक्षा के विस्तार और शिक्षा असमानताओं की निरन्तर कमी ने बड़े सुधारों के बावजूद भी भविष्य के लिए अभी भी चुनौतियाँ विद्यमान है।

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. उत्तर प्रदेश सरकार–उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2011–12 इसके डायरेक्ट ऑफ इकोनामिक्स एण्ड स्टैटिक्स।
2. कृष्णन जी एवं यम श्याम 1978 भारत में साक्षरता शहरी ग्रामीण अन्तर के क्षेत्रीय पहलू 1971। द जनरल ऑफ डेवलपिंग एरियास खण्ड 13।
3. जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2001,
4. जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2011
5. जनपद सांख्यिकी पत्रिका 2021,
6. पटेल 2003 भारत में महिलाओं के लिए महिलाओं के लिए साक्षरता स्वतंत्रता के रूप में साक्षरता, यूनेस्को राउन्ड टी योग्य संकलन संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन पेरिस।
7. विश्व बैंक 2002 विश्व विकास रिपोर्ट 1992 ऑक्सफोर्ड यूनिर्वसिटी प्रेस न्ययार्क।
8. यूनेस्को 2005–जीवन के लिए शिक्षा इ0एफ0ए0 ग्लोबल मानिटरिंग रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन पेरिस।